भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2411

दिनांक 13.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से समझौता

2411. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव
श्री सुधीर गुप्ता

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने के कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने हाल ही में कई समझौतों को अंतिम रूप दिया है;
(ख) यदि हां, तो उक्त द्विपक्षीय समझौते के प्रमुख क्षेत्र कौन-कौन से हैं और किन-किन प्रमुख क्षेत्रों पर सौदों पर हस्ताक्षर किए गए हैं;
(ग) क्या सरकार ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ वर्ष 2028 से 10 वर्षों के लिए प्रतिवर्ष 0.5 मिलियन टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस का आयात करने के लिए भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपी) के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है और द्विपक्षीय व्यापार और निवेश पर अब तक इसका क्या प्रभाव है;
(ड.) व्यापार असंतुलन को दूर करने, भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाजार पहुंच में सुधार करने और संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में भारतीय कंपनियों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं, और
(च) आगामी वर्षों में भारत-सयुक्त अरब अमीरात के बीच महत्वपूर्ण कार्यनीतिक भागीदारी को और मजबूत बनाने के लिए सरकार द्ववारा क्या भावी रूपरेखा तैयार की गई हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से ख) संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की 19 जनवरी 2026 को भारत यात्रा के दौरान, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, अवसंरचना, रक्षा, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौता ज्ञापनों/करारों पर हस्ताक्षर किए गए और घोषणाएं की गईं। विवरण अनुबंध -क और अनुबंध -ख में दिया गया है।।

(ग) उपर्युक्त यात्रा के दौरान, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस (एडीएएनओसी गैस) के बीच एक बिक्री एवं खरीद करार (एसपीए) जिसमें हस्ताक्षर किए गए, जिसमे 2028 से शुरू होने वाली 10 वर्षों की अवधि में एडीएनओसी गैस से एचपीसीएल द्वारा 0.5 एमएमपीटीए एलएनजी की खरीद के लिए एक दीर्घकालिक करार का प्रावधान है।

(घ) भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी करार (सीईपीए) पर 18 फरवरी 2022 को हस्ताक्षर किए गए और यह 1 मई 2022 से लागू हुआ। भारत-यूएई द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2021-22 में 72.87 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 100.06 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारत के 97% से अधिक टैरिफ लाइनों पर अधिमान्य बाजार पहुंच के कारण यूएई को भारत के माल निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है, जो वैल्यूटर्मस के हिसाब से भारतीय निर्यात के 99% को कवर करती है।

(ङ) व्यापार असंतुलन को दूर करने, बाज़ार पहुँच में सुधार लाने और यूएई के बाज़ार में भारतीय कंपनियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार सीईपीए संस्थागत तंत्रों के माध्यम से यूएई के साथ मिलकर काम कर रही है। दोनों पक्ष गैर-तेल, गैर-कीमती धातु व्यापार का विस्तार करने और व्यापार में विविधता लाने की दिशा में काम करने पर सहमत हुए हैं। कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, मापदंड़ों , सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, प्रमाणन और रत्न एवं आभूषण से संबंधित क्षेत्र-विशिष्ट मुद्दों पर भारत-यूएई सीईपीए की संयुक्त समिति ढांचे के तहत नियमित रूप से चर्चा की जा रही है।

(च) भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी संबंध उच्चतम स्तर पर सतत सक्रियता से संचालित है। भारत सरकार सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों में यूएई के साथ अपने बहुआयामी सहयोग को प्रगाढ़ करने और साथ ही सहयोग को नए और रणनीतिक क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

अनुबंध क

यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित करारों /समझौता ज्ञापनों/सूचना पत्र की सूची

क्रम	**करार / समझौता ज्ञापन/ सूचना पत्र**	**क्षेत्र/उद्देश्य**
1	**धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र के विकास के लिए भारत गणराज्य की गुजरात सरकार और संयुक्त अरब अमीरात के निवेश मंत्रालय के बीच निवेश सहयोग संबंधी आशय पत्र।**	गुजरात के धोलेरा में विशेष निवेश क्षेत्र के विकास में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ साझेदारी के लिए निवेश सहयोग को आगे बढ़ाना। प्रस्तावित साझेदारी में प्रमुख रणनीतिक अवसंरचना का विकास शामिल होगा, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक पायलट प्रशिक्षण विद्यालय, रखरखाव, मरम्मत और नवीनीकरण (एमआरओ) सुविधा, एक ग्रीनफील्ड बंदरगाह, एक स्मार्ट शहरी टाउनशिप, रेलवे कनेक्टिविटी और ऊर्जा अवसंरचना शामिल है।

2	**भारत के राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) और संयुक्त अरब अमीरात की अंतरिक्ष एजेंसी के बीच अंतरिक्ष उद्योग के विकास और वाणिज्यिक सहयोग को सक्षम बनाने के लिए एक संयुक्त पहल हेतु आशय पत्र ।**	अंतरिक्ष और व्यावसायीकरण के लिए संयुक्त अवसंरचना के विकास में भारत-यूएई साझेदारी को आगे बढ़ाना, जिसमें प्रक्षेपण परिसर, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्र, अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेशन सेंटर और एक्सेलेरेटर, प्रशिक्षण संस्थान और विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं।
3	**भारत गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी संबंधी आशय पत्र।**	रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचागत करार की स्थापना के लिए मिलकर काम करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग, रक्षा नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, शिक्षा और सिद्धांत, विशेष अभियान और अंतर संचालनीय, साइबर स्पेस, आतंकवाद विरोधी सहित कई क्षेत्रों में रक्षा सहयोग का विस्तार करना।
4	**हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस (एडीएएनओसी गैस) के बीच विक्रय एवं खरीद करार (एसपीए)**	इस दीर्घकालिक करार के तहत एचपीसीएल द्वारा एडीएनओसी गैस से 2028 से शुरू होने वाली 10 वर्षों की अवधि में 0.5 मिलियन एमपीटीए एलएनजी की खरीद का

		प्रावधान है।
5	**भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) और संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा और तकनीकी आवश्यकताओं संबंधी समझौता ज्ञापन।**	इस समझौता ज्ञापन में खाद्य क्षेत्र में व्यापार, आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का प्रावधान है, साथ ही भारत से संयुक्त अरब अमीरात को चावल, खाद्य उत्पाद और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए भी इसका उद्देश्य है। इससे भारत के किसानों को लाभ होगा और संयुक्त अरब अमीरात की खाद्य सुरक्षा में योगदान मिलेगा।

अनुबंध - ख

यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं की सूची

क) भारत में सुपर कंप्यूटर क्लस्टर की स्थापना

ख) 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना

ग) नागरिक परमाणु सहयोग को बढ़ावा देना

घ) डिजिटल दूतावासों की स्थापना की संभावना तलाशना

ङ) यूएई में एक सांस्कृतिक 'हाउस ऑफ इंडिया' का विकास करना

च) युवा आदान-प्रदान को बढ़ावा देना

छ) भारतीय शैक्षणिक डिग्रियों/दस्तावेजों के निर्बाध प्रमाणीकरण के लिए भारत के डिजिलॉकर को यूएई के प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत करना।

*****